STD. VIII HINDI SECOND TERM EVALUATION - 2022

Answer Key

1. तेज़ बारिश हो रही थी ।

2. मैं <u>जंगल चलता हूँ</u> ।

3. **टिप्पणी - डॉ. रमणी अटकुरी की चरित्रगत विशेषताओं पर**

डॉ. रमणी अटकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सक है । वे गरीबों की सेवा केलिए अपना जीवन समर्पित करनेवाली एक ईमानदार डॉक्टर हैं। वे डॉक्टरी को व्यापार नहीं मानतीं । जंगल के लोगों के इलाज केलिए वे हर हफ्ते कई मुसीबतें झेलकर भी जाती हैं। शहर के क्लीनिक की अपेक्षा जंगल का क्लीनिक उन्हें अच्छा लगता है । वहाँ आधी रात तक चिकित्सा करने तथा रात को जंगल में ही रुकने में वे नहीं हिचकतीं । वे गरीबों की हालत अच्छी तरह से समझकर उसे सुधारनेवाली एक कर्तव्यनिष्ठ डॉक्टर हैं । इस प्रकार हम उनमें एक ईमानदार, सामाजिक ज़िम्मेदार, गरीबों के प्रति अनुताप रखनेवाली एक डॉक्टर को देख सकते हैं। डॉ. रमणी अटकुरी जैसी महिला समाज की बडी उपलब्धि है ।

अथवा

पत्र - डॉ. रमणी अटकुरी को बधाई देते हुए

स्थान : ....

तारीख : ....

आदरणीय डॉक्टरजी,

नमस्कार। मैं राधिका हूँ। आपकी डायरी बात उस मंगलवार की पढने का अवसर मिला । इससे मुझे मालूम हुआ कि आज भी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से काम करनेवाले डॉक्टर भी इस दुनिया में है । इसकेलिए आपको मेरी तरफ से हार्दिक बधाइयाँ।

आज की स्वार्थपूर्ण दुनिया में आपके समान सेवा भाव रखनेवालों को देखना दुर्लभ है । यह जानकर मुझे बडी खुशी हुई कि आप शहर के बडे-बडे अस्पतालों को छोडकर भारी वर्षा में भी पैदल नदी पार करके जंगल के बीच मरीज़ों के पास जाकर चिकित्सा करती है । फीस लिए बिना गरीबों की सेवा करना बिलकुल सराहनीय है । जंगल के क्लीनिक को आप अधिक पसंद करती है। मरीज़ों की परेशानियों को अपनी परेशानी मानती है। अधिकांश डॉक्टर इलाज के नाम पर पैसे की लालच में रोगियों का शोषण करने के इस ज़माने में आपकी यह निस्वार्थ सेवा दूसरों केलिए उत्तम नमूना है।

हो सके तो मैं एक बार आपसे मिलना चाहती हूँ। आपकी लंबी उम्र केलिए भगवान से प्रार्थना करते हुए,

आपकी शुभचिंतक

[हस्ताक्षर]

नाम

सेवा में,

नाम

पता

4. कम भोजन से

5. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के मशहूर कवि बर्तोल्ड ब्रेख्त की डॉक्टर के नाम मज़दूर का पत्र नामक कविता से ली गई हैं। डॉक्टर के नाम मज़दूर के द्वारा लिखे पत्र के रूप में यह कविता हमारे सामने प्रस्तुत होती है । इसमें मज़दूरों की बीमारी के कारण के बारे में बताते हैं।

हर दिन मज़दूर बहुत ज़्यादा काम करता है और कम भोजन लेता है । कम भोजन से मज़दूर ता शरीर दुबला हो गया है । इसके बारे में डॉक्टर से बताते वक्त वह नुस्खे पर दवाइयों के बारे में लिखता है और वज़न बढाने को कहता है । बुरी हालत में जीनेवाले मज़दूरों से ऐसा कहना दलदली घास से खुश्क रहने को कहने के समान है । यहाँ गरीब मज़दूर कहता है कि उनकी बीमारी का कारण गरीबी है । गरीबों की बुरी हालत का वर्णन है इन पंक्तियों में ।

यहाँ कवि सरल भाषा के प्रयोग से गरीब मज़दूरों का हालत प्रस्तुत करने में सफल हुए हैं । कविता बहुत प्रासंगिक और अच्छी है ।

6. इंद्रधनुष की

SREEJITH.R, KOVOOR VARKALA, SCRIPS

7. **वाक्य पिरामिड**

* किरणें झलकती हैं।
* पूर्व में किरणें झलकती हैं।
* पूर्व में **सूर्य की** किरणें झलकती हैं।
* पूर्व में सूर्य की **सुंदर** किरणें झलकती हैं।

8. **लडके की डायरी**

तारीख : ....

कल आकाश से धरती पर आया सप्तम नाम का इंद्रधनुष मेरे पास आया। उसने कहा कि वह कहीं आराम करना चाहता है। वह आकाश में रहते ऊब जाने पर धरती पर एक दिन रहने केलिए आया था। इसलिए मैंने उसे अपने घर में आराम करने की जगह दिया। दिन भर घूमते रहने से थका हारा सप्तम को यह एक आश्वास तो था, पर झोंपडी के अंधकार उसका सुंदर रंग दिखाई नहीं देने से वह बहुत उदास था। पर सुबह हो गया तो वह बिलकुल खिल उठा। सात रंगोंवाला सप्तम चमकने लगा। मैंने उसे विदा दी। वह खुशी के साथ अपना घर यानी आकाश वापस गया। आज का यह सुंदर दिन मैं कभी भूल नहीं सकता।

9. नीला

10. यह अब्रहाम लिंकन का कथन है। अब्रहाम लिंकन के इस विचार से मैं सहमत हूँ। क्योंकि नकल करने से हम अपनी योग्यता पहचान न सकते तथा हम आलसी बन जाते हैं। इससे भविष्य में हमें कोई लाभ नहीं मिलता। सीधे रास्ते से चलने से ही जीवन में हम सफल बनेंगे।

11. **सही प्रस्ताव**

* किताबों की दुनिया मनमोहक है।
* नकल करके पास होने से फेल होना उचित है।
* नीले आसमान में उडते पक्षी स्वतंत्र है।
* पहाडों पर जंगली फूल खिलते हैं।

अथवा

लघु लेख - सफल जीवन

जीवन को सफल बनाने केलिए मनुष्य को आत्मविश्वास , दृढ संकल्प, उत्साह और लगन चाहिए । केवल पढने में ही नहीं, अच्छे चरित्र के निर्माण में भी उसको ध्यान देना चाहिए । उसे परिश्रमी होना चाहिए और सदा सच्चाई के मार्ग में चलना भी। अनुशासन से उसका जीवन सफल और श्रेष्ठ बनते हैं । स्वार्थता को छोडते हुए सादा जीवन बिताना चाहिए । उसे बुरी आदतों और बुरे सहवास से बचकर रहना चाहिए। बडों के सदुपदेशों का पालन करना, उनका आदर करना, छोटों से प्यार करना आदि की भी आवश्यकता है। जो व्यक्ति इस आदर्श का जीवन बिताएगा, वह अपने जीवन में सफल बनेगा।

12. नर

13. रहीम जी के अनुसार वे मनुष्य धन्य होते हैं जो हमेशा दूसरों का उपकार करता है। यानी जिसका शरीर या अंग दूसरों की सेवा में लगा रहते हैं वे श्रेष्ठ बन जाते हैं।

14. मरीज़ों को

15. जंगल के गाँव में

16. **गाँववाला और डॉक्टर के बीच का संभावित वार्तालाप**

गाँववाला - नमस्ते, डॉक्टर साहब।

डॉक्टर - नमस्ते।

गाँववाला - आज भी आप आ गए। हमें लगा कि तेज़ बारिश होने से आप नहीं आएँगे।

डॉक्टर - ऐसा मैं कैसे कर सकती ?

गाँववाला - आप जैसे डॉक्टर हमारेलिए बहुत देन है।

डॉक्टर - यह मेरा कर्तव्य है। ठीक है, लगता है आज बहुत लोग आए हैं।

गाँववाला - जी हाँ, सबको आपकी सेवा पसंद है।

डॉक्टर - मुझे भी जंगल के लोग बहुत पसंद हैं। चलें, मरीज़ इंतज़ार कर रहे हैं।

गाँववाला - जी धन्यवाद।

REJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRIBS

अथवा

पोस्टर

सरकारी अस्पताल, छत्तीसगढ में

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस समारोह

दिनांक - 1 जुलाई 2023

समय - सुबह 10 बजे

उद्घाटन - **डॉक्टर रमणी अटकुरी**

* आज की चिकित्सा निशुल्क

भाग लें ... अवसर आपके सामने ...

सबका स्वागत

17. मेहनत से कमाया एक पैसा भी हराम में मिली नोटों की गड्डी से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। यानी गलत रास्ते से कभी भी पैसे नहीं कमाना चाहिए।

18. **सही मिलान**

मेहनत	-	परिश्रम
दोस्त	-	मित्र
जीत	-	विजय
दुश्मन	-	शत्रु

SREEJITH.R, KOVOOR VARKALA, SCR745